

आईआईटी और आईआईएफएम ईको टूरिज्म, पर्यावरण क्षेत्रों में काम करेंगे

दोनों संस्थानों के बीच हुआ समझौता, कई संभावनाओं पर भी की चर्चा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर ने भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम) भोपाल के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत दोनों संस्थान प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण, वन, सस्टेनेबिलिटी, जलवायु परिवर्तन, ग्रामीण विकास, ग्रामीण आजीविका आदि क्षेत्रों में तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से काम करेंगे। समझौते के तहत दोनों संस्थानों के फैकल्टी संयुक्त रूप से पीएचडी छात्रों को कुछ क्षेत्रों

में काम करने पर प्रोत्साहित करेंगे और काम को सुपरवाइज करेंगे। एमओयू पर प्रो. सुहास एस जोशी निदेशक आईआईटी इंदौर और सुभाष चंद्र निदेशक आईआईएफएम भोपाल ने हस्ताक्षर किए।

इसे लेकर एक बैठक हाल ही में आईआईटी इंदौर और आईआईएफएम के अधिकारियों के बीच हुई। इसमें सस्टेनेबिलिटी सेंटर शुरू करने, ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने, कृषि वानिकी को बढ़ावा देने आदि काम साथ करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

इंजीनियरिंग कॉलेज के 50 छात्रों को 1 महीने की इंटर्नशिप

इस मौके पर आईआईएफएम के प्रतिनिधि मंडल ने आईआईटी के वन क्षेत्र का दौरा कर यहां विकास में मार्गदर्शन देने की बात कही। वन क्षेत्रों में आग लगने, वाणिज्यिक वृक्षारोपण और जलाशयों के विकास पर भी चर्चा की गई। आईआईटी इंदौर ने मप्र सरकार के साथ भी एक समझौता किया है। इसके तहत राज्य सरकार के इंजीनियरिंग कॉलेज के 50 मेधावी छात्रों को बिना शुल्क 1 महीने की इंटर्नशिप आईआईटी में दी जाएगी। इन छात्रों के आवास और भोजन का खर्च आईआईटी इंदौर वहन करेगा।